शालोम,

आज के युग में मसीही विश्वासियों को तीन अलग-अलग श्रेणियों में बाँटा जा सकता है। इन समूहों की पहचान करना हमें यह समझने में मदद करता है कि हम स्वयं कहाँ खड़े हैं — और हमें क्या करना चाहिए ताकि हम अनंतकाल में सुरक्षित रह सकें।

1. पहला समूह: नाममात्र के मसीही

इस समूह में वे लोग आते हैं जो स्वयं को “मसीही” कहते हैं — शायद इसलिए क्योंकि वे मसीही परिवार में जन्मे हैं या उन्होंने मसीही धर्म को अपनी पहचान बना लिया है। लेकिन उनका परमेश्वर से कोई व्यक्तिगत संबंध नहीं होता।

इनका जीवन संसार के बाकी लोगों से कुछ अलग नहीं होता, केवल नाम “मसीही” होता है। वे न तो परमेश्वर को जानते हैं, न आत्मिक बातों को। यदि आप उनसे रैप्चर (उठा लिए जाने) के बारे में पूछें, तो कहेंगे, “मुझे नहीं पता आप किस बारे में बात कर रहे हैं।” यदि पूछें कि वे नया जन्म पाए हैं या नहीं, तो कहेंगे, “वो मेरी मान्यता में नहीं है।”

वे न प्रार्थना करते हैं, न चर्च जाते हैं, और न आत्मिक भूख रखते

हैं — फिर भी खुद पर गर्व करते हैं कि वे मसीही हैं। दुख की बात है कि आज की कलीसिया में यह सबसे बड़ा समूह है।

2 तीमुथियुस 3:5
“वे भक्ति का ढोंग तो करते हैं, पर उसकी सामर्थ को नहीं
मानते; ऐसे लोगों से अलग रहो।”

2. दूसरा समूह: गुनगुने विश्वासियों का

ये वे विश्वासियों का समूह है जो बाइबल को जानते हैं, चर्च जाते हैं, लेकिन उनका जीवन दोहरी सोच से चलता है — आधा परमेश्वर के लिए, और आधा संसार के लिए।

ये वे मूर्ख कुंवारियाँ हैं जिनका उल्लेख मत्ती 25 में मिलता है — जिनके पास दीपक तो थे, लेकिन अतिरिक्त तेल नहीं। यह दर्शाता है कि उनमें आत्मिक गहराई और तैयारी की कमी थी। बाइबल उन्हें “साथिनें” (concubines) कहती है, दुल्हन नहीं।

जब रैप्चर होगा, ये गहराई से शोक मनाएंगी, क्योंकि वे पीछे छूट जाएँगी। उन्होंने मसीह के आगमन की आशा तो की थी, लेकिन उनकी आत्मिक जीवनशैली अस्वीकार्य रही।

प्रकाशितवाक्य 3:16
“इसलिए, क्योंकि तू न तो ठंडा है, न गर्म, मैं तुझे अपने मुँह से उगल दूँगा।”

मत्ती 25:10-12
“…और द्वार बंद कर दिया गया। फिर बाकी कुँवारियाँ भी आकर
कहने लगीं, ‘हे प्रभु, प्रभु, हमारे लिए द्वार खोल दे।’
परन्तु उसने उत्तर दिया, ‘मैं तुमसे सच कहता हूँ, मैं
तुम्हें नहीं जानता।'”

3. तीसरा समूह: मसीह की सच्ची दुल्हन

यह वह छोटा समूह है जो पूरी तरह से मसीह के साथ चलने को समर्पित है। इनके लिए मसीही जीवन केवल एक धर्म नहीं, बल्कि विश्वास और जीवनशैली है।

ये वे बुद्धिमान कुंवारियाँ हैं जिन्होंने अपने दीपकों के साथ तेल भी रखा (मत्ती 25)। ये वे हैं जिन्हें मसीह विवाह भोज के लिए तैयार कर रहे हैं। इनकी संख्या बहुत कम है।

मत्ती 7:14
“क्योंकि जीवन का द्वार संकीर्ण है और मार्ग कठिन है, और उसे पाने वाले थोड़े हैं।”

केवल यही तीसरा समूह रैप्चर में लिया जाएगा। मसीह उन लोगों के लिए नहीं आ रहे हैं जो केवल धार्मिक नामधारी हैं या गुनगुने हैं — वह अपनी शुद्ध, तैयार दुल्हन के लिए आ रहे हैं।

प्रकाशितवाक्य 19:7
“आओ हम आनन्द करें और मगन हों और उसकी स्तुति करें, क्योंकि मेम्ने का विवाह आया, और उसकी पत्नी ने अपने आप को तैयार कर लिया है।”

मसीह की सच्ची दुल्हन की पहचान कैसे करें?

इसे और अच्छे से समझने के लिए उत्पत्ति 24 में अब्राहम द्वारा अपने पुत्र इसहाक के लिए दुल्हन खोजने की कहानी को देखें। यह भविष्यद्वाणी रूप में दर्शाता है कि कैसे परमेश्वर पिता, यीशु मसीह के लिए दुल्हन खोज रहे हैं।

अब्राहम — परमेश्वर पिता का प्रतीक है।

एलीएज़ेर — पवित्र आत्मा और परमेश्वर के सेवकों का चित्र है।

कनान देश से नहीं, बल्कि दूर देश से दुल्हन — यह अनाज्ञाकारी यहूदी नहीं बल्कि मसीही मण्डली (Gentile Church) की ओर इशारा करता है।

एलीएज़ेर दस ऊँटों के साथ यात्रा करता है — यह दर्शाता है कि सच्ची दुल्हन की तलाश एक गहन तैयारी और सेवा से जुड़ी होती है।

उत्पत्ति 24:12-14
“हे मेरे स्वामी अब्राहम के परमेश्वर, कृपा कर आज मेरे
मार्ग को सफल बना। यदि मैं किसी कन्या से कहूं, ‘कृपया अपना घड़ा नीचे कर, ताकि मैं पानी पी सकूं,’ और वह कहे, ‘पी लो, मैं तेरे ऊँटों को भी पानी पिलाऊंगी,’ तो वही उस दुल्हन का चिन्ह होगी।”

रीबेकाह एलीएज़ेर के प्रार्थना पूरी होने से पहले ही आ गई और न

केवल उसे पानी पिलाया, बल्कि दस ऊँटों को भी — बिना किसी शिकायत के, पराये के लिए, प्रेमपूर्वक।

यह दर्शाता है कि उसमें सेवा करने का मन, त्याग और प्रेम था — वही गुण जो मसीह की सच्ची दुल्हन में होते हैं।

आज की कलीसिया के लिए भविष्यवाणीपूर्ण अर्थ

एलीएज़ेर उन सभी सच्चे सेवकों का प्रतीक है जिन्हें परमेश्वर ने सुसमाचार प्रचार के लिए भेजा है ताकि दुल्हन तैयार की जा सके।

2 कुरिन्थियों 11:2
“मैंने तुम्हारी सगाई एक ही पति से की है, ताकि मैं तुम्हें
एक पवित्र कुँवारी के रूप में मसीह के सामने प्रस्तुत कर सकूं।”

जैसे एलीएज़ेर को रीबेकाह को पहचानने का चिन्ह मिला, वैसे ही आज के सेवक भी सच्ची दुल्हन को उसके मनोभाव, त्याग, पवित्रता और आत्मिक भूख से पहचान सकते हैं।

अगर हम केवल प्रचार सुनते हैं, लेकिन खुद परमेश्वर को नहीं ढूंढ़ते — न प्रार्थना करते हैं, न वचन पढ़ते हैं, और न मसीह के साथ निजी संबंध बनाते हैं — तो हम दुल्हन नहीं, बल्कि मूर्ख साथिनें मात्र हैं।

मसीह की दुल्हन एक कदम आगे जाती है। वह केवल रविवार की सभा से संतुष्ट नहीं रहती। वह प्रतिदिन प्रभु को ढूंढ़ती है। वह प्रार्थना करती है, उपवास करती है, सेवा करती है, और पवित्रता में बढ़ती है।

फिलिप्पियों 2:12
“अपने उद्धार को डर और कांप के साथ सिद्ध करते रहो।”

मत्ती 25:4
“परन्तु बुद्धिमानों ने अपने दीपकों के साथ साथ तेल भी पात्रों में ले लिया।”

निष्कर्ष: क्या आप दुल्हन हैं, या केवल एक साथिन?

यह बहुत ही कठिन समय है। जो रैप्चर में लिए जाएंगे उनकी संख्या बहुत ही कम होगी। मसीह की दुल्हन बनने का बुलावा त्याग,

पवित्रता और सम्पूर्ण समर्पण का बुलावा है।

आइए हम प्रार्थना और परिश्रम से प्रयास करें कि हम उस मेम्ने के विवाह भोज में भाग लेने योग्य ठहरें।

लूका 21:36
“जागते रहो और प्रार्थना करते रहो कि तुम इन सब होनेवाली
बातों से बच सको और मनुष्य के पुत्र के सामने खड़े होने के योग्य बनो।”

प्रभु आपको बहुतायत से आशीष दे।

यदि आप हमारे बाइबल शिक्षणों में शामिल होना चाहते हैं, तो यहाँ क्लिक करें >> WHATSAPP.

Share on:
WhatsApp